Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER









कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार - 2

अध्याय - 7 : कंपनी निर्माण

भाग - 5

समामेलन प्रमाण पत्र का प्रभाव एवं पार्षद अंतर्नियम की विषयवस्तु

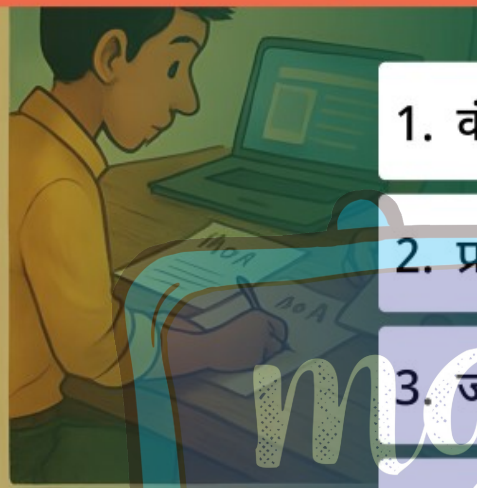
रूचिका सैनी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER









1. कंपनी की संरचना
2. प्रवर्तकों के कार्य एवं स्थिति
3. जमा किए जाने वाले प्रलेख
4. समामेलन
5. समामेलन का प्रभाव
6. पूँजी अभिदान
7. एक व्यक्ति कंपनी

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



समामेलन प्रमाण पत्र का प्रभाव

- कंपनी का कानूनी जन्म समामेलन प्रमाण पत्र पर छपी तिथि से होता है।
- इस तिथि से कंपनी को शाश्वत उत्तराधिकार और पृथक वैधानिक अस्तित्व प्राप्त हो जाता है।
- कंपनी वैधानिक प्रसंविदाएँ करने के लिए अधिकृत हो जाती है।
- समामेलन प्रमाण पत्र, कंपनी के समामेलन का निर्णायक प्रमाण होता है।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER





महत्वपूर्ण कानूनी बिंदु :

- यदि कंपनी ने किसी पक्ष से वैध रूप में अनुबंध किया और बाद में पता चला कि समामेलन में त्रुटि थी, तब भी प्रमाण पत्र के जारी हो जाने के बाद कंपनी का अस्तित्व वैधानिक माना जाएगा।
- प्रमाण पत्र जारी होने के पश्चात, समामेलन में कोई भी तकनीकी दोष कंपनी के अस्तित्व को अमान्य नहीं कर सकता।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



न्यायिक उदाहरण :

(क) आवश्यक प्रलेख 6 जनवरी को जमा हुए प्रमाण पत्र 8 जनवरी को जारी हुआ लेकिन दिनांक 6 जनवरी अंकित थी — निर्णय हुआ कि कंपनी का अस्तित्व 6 जनवरी से था और उस दिन हुए समझौते वैध थे।

(ख) यदि संस्थापन प्रलेख पर जाली हस्ताक्षर भी हुए हों, तब भी समामेलन वैधानिक माना गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- एक बार समामेलन प्रमाण पत्र जारी हो जाने के बाद, भले ही प्रक्रिया में कोई कमी हो, यह कंपनी के वैध गठन का अंतिम प्रमाण होता है।
- यदि कंपनी अवैध उद्देश्यों से भी पंजीकृत हुई हो, तब भी उसका अस्तित्व नकारा नहीं जा सकता, केवल समापन प्रक्रिया ही समाधान है।
- समामेलन प्रमाण पत्र मिलने के बाद, निजी एवं सार्वजनिक कंपनियों को 180 दिनों के भीतर व्यवसाय प्रारंभ प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य है।
- इसके पश्चात ही वे व्यापार प्रारंभ कर सकती हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

पार्षद अंतर्नियम में सामान्यतः निम्नलिखित विषयवस्तु होती है-

1. सारणी एफ. का पूर्णतः अथवा अंशतः अपवर्जन
2. प्रारंभिक अनुबंधों का स्वीकरण
3. अंशों की संख्या व मूल्य
4. पूर्वाधिकारी अंशों का निर्गमन
5. अंशों का आवंटन
6. अंशों पर याचनाएँ
7. अंशों पर ग्रहणाधिकार
8. अंशों का हस्तांतरण एवं प्रसारण
9. नामांकन

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

10 अंशों का हरण

11 पूँजी का प्रत्यावर्तन

12 पुनर्खरीद

13 अंश प्रमाण-पत्र

14 डिमेटीरियलाइज़ेशन

15 अंशों का स्टॉक में परिवर्तन/कंपनियों का समामेलन व प्रासंगिक मामले

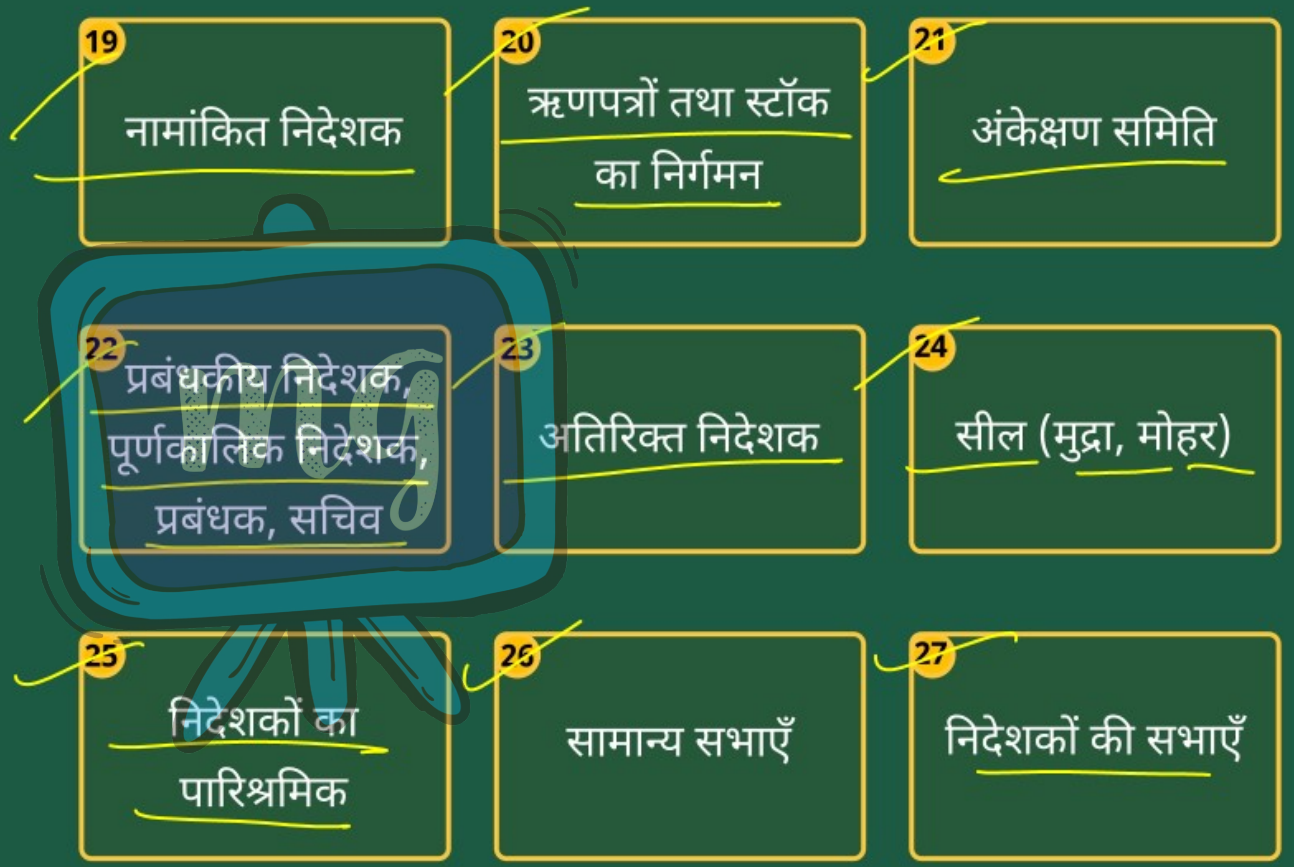
16 मतदान अधिकार एवं प्रतिपत्री

17 सभाओं तथा समितियों से संबंधित नियम

18 निदेशक, नियुक्ति तथा अधिकारों का अंतरण

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

28 उधार ग्रहण के अधिकार

29 लाभांश तथा संचय

30 लेखे तथा अंकेक्षण

31 समापन

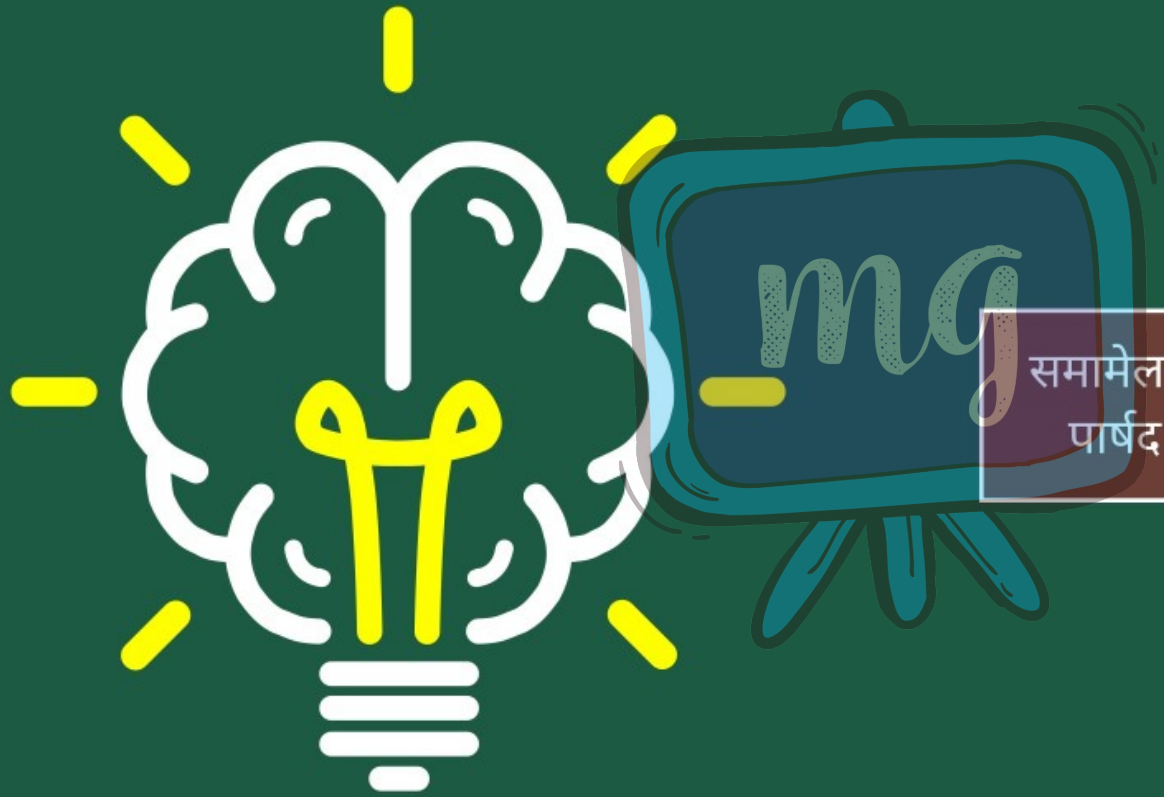
32 क्षतिपूर्ति

33 संचयों का पूँजीकरण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



समामेलन प्रमाण पत्र का प्रभाव एवं पार्षद अंतर्नियम की विषयवस्तु

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1 पार्षद अंतर्नियम की विषयवस्तु में शामिल है–

अ अंशों का आवंटन

ब अंशों का हरण

स अंशों पर याचनाएँ

द उपर्युक्त सभी (द)

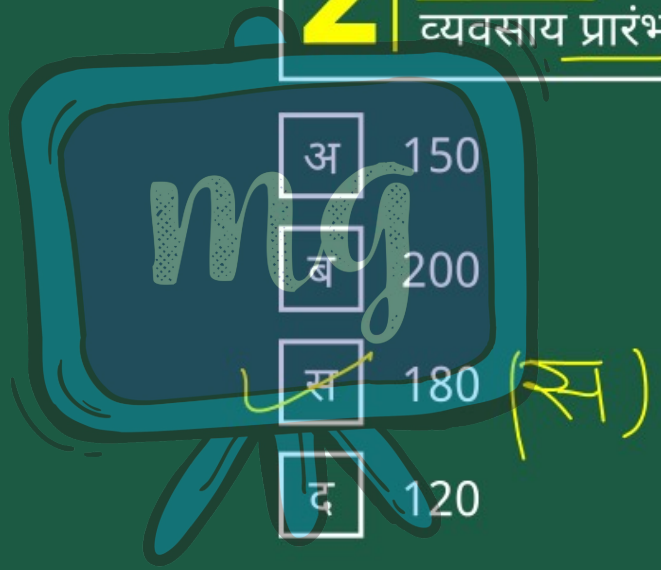
Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2 समामेलन के बाद कंपनियों को कितने दिनों में व्यवसाय प्रारंभ प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3 समामेलन प्रमाण पत्र के पश्चात् कंपनी को वैधानिक अस्तित्व प्राप्त हो जाता है।

